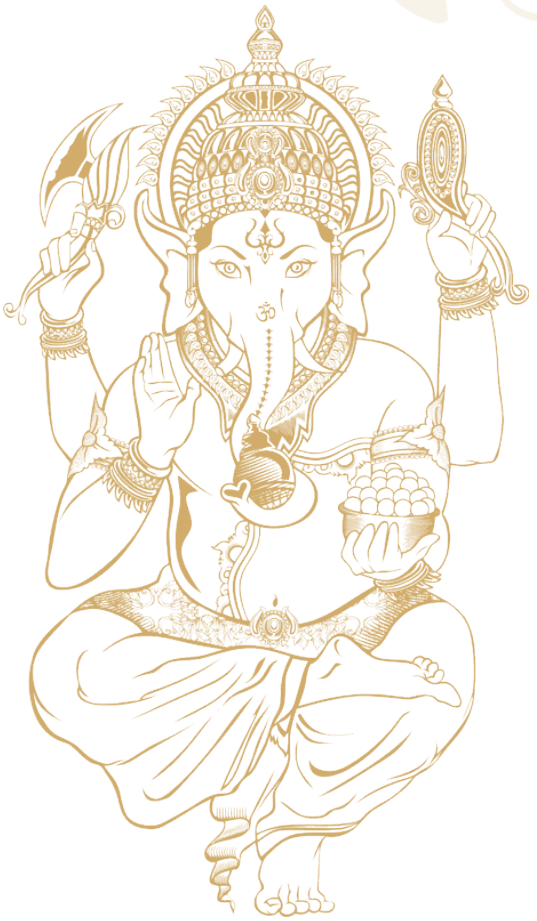

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121748709

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
1-02/10/1994 :	जन्म तिथि	: 09/10/1995
शनि-रविवार :	दिन	: सोमवार
घंटे 01:15:00 :	जन्म समय	: 23:30:00 घंटे
घटी 47:32:32 :	जन्म समय(घटी)	: 42:59:27 घटी
India :	देश	: India
Delhi :	स्थान	: Delhi
28:39:00 उत्तर :	अक्षांश	: 28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व :	रेखांश	: 77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08 :	स्थानिक संस्कार	: -00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:13:59 :	सूर्योदय	: 06:18:13
18:06:17 :	सूर्यास्त	: 17:58:35
23:47:14 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:48:00

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
बुध 0वर्ष 0मा 26दि	08:54:04	कर्क	लग्न	मिथु	22:54:10	केतु 4वर्ष 3मा 26दि
सूर्य	14:36:39	कन्या	सूर्य	कन्या	22:10:07	चन्द्र
28/10/2021	29:56:33	कर्क	चंद्र	मेष	05:05:52	04/02/2026
29/10/2027	04:35:59	कर्क	मंगल	तुला	28:19:07	05/02/2036
सूर्य 15/02/2022	09:52:19	तुला	बुध व	कन्या	12:50:20	चन्द्र 06/12/2026
चन्द्र 16/08/2022	21:26:40	तुला	गुरु	वृश्चि	18:04:29	मंगल 07/07/2027
मंगल 22/12/2022	21:52:09	तुला	शुक्र	तुला	05:29:04	राहु 05/01/2029
राहु 16/11/2023	13:06:15	कुंभ व	शनि व	कुंभ	25:42:31	गुरु 07/05/2030
गुरु 03/09/2024	21:36:01	तुला व	राहु	तुला	02:39:45	शनि 06/12/2031
शनि 16/08/2025	21:36:01	मेष व	केतु	मेष	02:39:45	बुध 06/05/2033
बुध 22/06/2026	28:36:04	धनु व	हर्ष	मक	02:43:49	केतु 05/12/2033
केतु 28/10/2026	26:47:13	धनु व	नेप	धनु	28:58:48	शुक्र 06/08/2035
शुक्र 29/10/2027	02:22:33	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	05:03:04	सूर्य 05/02/2036

लग्न-चलित

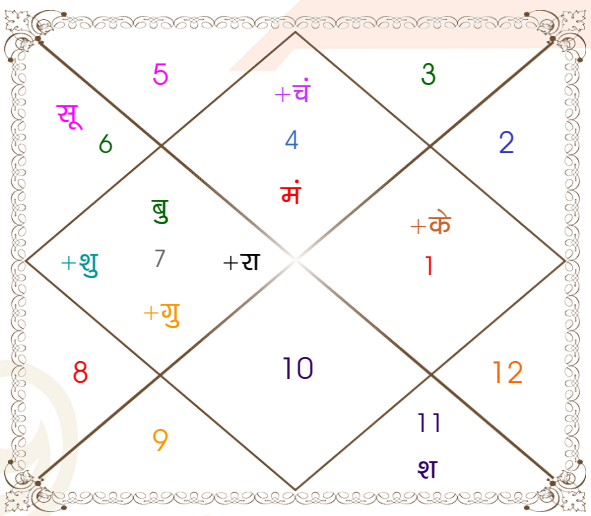

लग्न-चलित

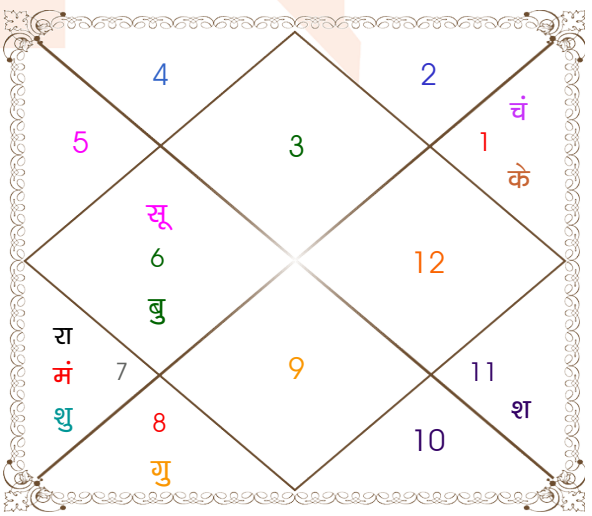

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मार्जार	अश्व	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	मंगल	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

Mr. का वर्ग श्वान है तथा Ms. का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Mr. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।